Roll No. .....

DD–2172

B. A. (Part II) EXAMINATION, 2020

SANSKRIT LITERATURE

Paper Second

(पद्य तथा साहित्येतिहास)

Time : Three Hours

Maximum Marks : 75

सूचना : सभी प्रश्न हल करना अनिवार्य है।

इकाई—1

1. (क) निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए— 15

(i) प्रदक्षिणीकृत्य पयस्विनीं तां सुदक्षिणा साक्षतपत्रहस्ता।
प्रणम्य चानर्च विशालमस्याः शृङ्गान्तरं हारमिवार्थ सिद्धेः।

(ii) अलं महीपाल ! तव श्रमेण प्रयुक्तमप्यस्त्रमितो वृथास्यात्।
न पादपोन्मूल शक्ति रहः शिलोच्चये मूर्च्छति मारुतस्य

(iii) भवानपीदं पखानवैति महान हि यत्नस्तव देवदारौ।
स्थातुं नियोक्तुर्न हि शक्यमग्रे विनाश्य रक्ष्यं स्वयमक्षतेन

(iv) तं विस्मितं धेनुरुवाच साधो मायां मयोद्भाव्य परीक्षितोऽसि।
ऋषि प्रभावान्मयिनान्तकोऽपि प्रभुः प्रहर्तुं किमुतान्याहिंस्त्राः

(ख) निम्नलिखित में से किसी **एक** श्लोक का हिन्दी में अनुवाद कीजिए— 10

(i) व्रताय तेनानुचरेण धेनोर्न्यषेधिशेषोऽप्यनुयायिवर्गः।
न चान्यतस्तस्य शरीररक्षा स्ववीर्यगुप्ता हि मनोः प्रसूतिः

(ii) एकातपत्रं जरातः प्रभुत्वं नवं वयः कान्तमिदं वपुश्च।
अल्पस्य हेतोर्बहुहातुमिच्छिन् विचारमूढः प्रतिभासि में त्वम्

इकाई—2

2. राजा दिलीप एवं सिंह के संवाद का वर्णन कीजिए। 10

अथवा

'रघुवंश' महाकाव्य के द्वितीय सर्ग के आधार पर प्रकृति-चित्रण कीजिए।

इकाई—3

3. निम्नलिखित श्लोकों में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए— 20

(क) येषां न विद्या न तपो न दानं न ज्ञानं न शीलं न गुणो न धर्मः।

ते मृत्युलोके भुवि भारभूता मनुष्यरूपेण मृगाश्चरन्ति

(ख) सिंहः शिशुरपि निपतति मदमलिन कपोलभित्तिषु राजेषु।

प्रकृतिरियं सत्त्ववतां न खलु वयस्तेजसो हेतुः

(ग) रे रे चातक ! सावधान मनसा मित्र। क्षणं श्रुयता-

मम्भोदा बहवो वसन्ति गगने सर्वेऽपि नैतादृशाः।

केचिद् वृष्टिभिरार्द्रयन्ति वसुधां गर्जन्ति कोचिद् वृक्षा

यं यं पश्यसि तस्य तस्य पुरतो मा ब्रूहि दीनं वचः

(घ) मनसि क्वसि काये पुण्यपीयूषपूर्णा

स्त्रिभुवनमुपकार श्रेणिभिः प्रीणयन्तः।

परगुणपरमाणून् पर्वतीकृत्य नित्यं

निज हृदि विकसन्तः सन्ति सन्तः कियन्तः

इकाई—4

4. महाकाव्य का लक्षण लिखिए। 10

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए—

(क) शिशुपालवधम्

(ख) राजतरंगिनी

(ग) रघुवंश

(घ) सौन्दरनंद

इकाई—5

5. कथा साहित्य का उद्‌भव एवं विकास लिखिए। 10

अथवा

निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणियाँ लिखिए—

(क) शतकत्रय

(ख) अमरकशतक

(ग) ऋतुसंहार

(घ) प चतंत्र

(ङ) वेतालपंचविंशति